jftLVªh laö Mhö ,yö&33004@99

REGD. NO. D. L.-33004/99

vlk/kj.k
EXTRAORDINARY
Hkkx III—[k.M 4
PART III—Section 4
izkf/dkj ls izdkf'kr
PUBLISHED BY AUTHORITY

la- 408] ubZ fnYyh] cq/okj] fnlEcj 23] 2015@ikS"k 2] 1937
No. 408] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 23, 2015/PAUSA 2, 1937

िवकास ािधकरण

अिधसूचना

हैदराबाद, 17 दसबर, 2015

वसाय करनेवाली

िनगम)))) िविनयम

/22/112/2015.—बीमा िविनयामक और िवकास ािधकरण

अिधिनयम, 1999 (1999 का 41) कधारा 14 और 26 तथा बीमा अिधिनयम, 1938 (1938 का 4) क

धारा 6ए के साथ पठत धारा 114ए ारादशिय का योग करते ए, ािधकरण बीमा सलाहकार सिमित

के साथ परामश करने के बाद बीमा िविनयामक और िवकास ािधकरण (जीवन बीमा कंपिनयारा पूँजी िनगम)

िविनयम, 2011 को ित!थािपत करने के िलए इसके ाराि‍न#िलिखत िविनयम बनाता है, अथात् :-

1.संिसं नाम

(1)ये िविनयम भारतीय बीमा िविनयामक और िवकास ािधकरण (जीवन बीमा (वसाय करनेवाली भारतीय बीमा कंपिनयारा पूँजी िनगम) िविनयम, 2015 के नाम से जाने जाएँगे ।

(2)ये सरकारी राजप+म, इनके काशनक तारीख को वृहगे ।

(3)ये िविनयम उन भारतीय बीमा कंपिनय पर लागू हगेिज0ह, जीवन बीमा का (वसाय करने के िलए पंजीकरण का माणप+दान कया गया हो।

5404 GI/2015 (1)

परभाषाएँ

2. (1) इन िविनयमम, जब तक संदभ से अ0यथाअपेि2त न हो;

अिधिनयम" से बीमा अिधिनयम, 1938 (1938 का 4) अिभेत है;

कंपनी" से ऐसी भारतीय बीमा कंपनी अिभेत है िजसे जीवन बीमा का (वसाय करने के िलए अिधिनयम क धारा 3 के अनुसार पंजीकरण का माणप+दानकया गया हो;

आवेदन" " " " से इन िविनयम के अधीन पूँजी िनगम के िलए ािधकरण का पूव अनुमोदन ा4 करने के

िलए आवेदक कंपनी ारा इन िविनयम के फाम "ए" म, दािखल कया गया आवेदन अिभेत है;

ािधकरण" " " " से बीमा िविनयामक और िवकास ािधकरण अिधिनयम, 1999 क धारा 3 के अधीन !थािपत भारतीय बीमा िविनयामक और िवकास ािधकरणअिभेत है;

दशािनदश" " " " से ािधकरणारा इस संबंध म, जारी कये गये दशािनद6शअिभेतह7;

िविनयम" से समय-समय पर यथासंशोिधत सेबी (पूँजी िनगम और कटीकरणअपे2ाएँ)

िविनयम, 2009 अभेतह7;

कंपनी" से बीमा अिधिनयम, 1938 क धारा 2 (7ए) म,यथापरभािषत "भारतीय बीमा कंपनी" अभेत है;

िनवेशक" " " " से भारतीय बीमा िविनयामक और िवकास ािधकरण (बीमा कंपिनय के इ=टीशेयर का

अंतरण) िविनयम, 2015 के िविनयम 2(एफ) म,यथापरभािषत "िनवेशक" अभेत है;

दतावेज" " " " से आईसीडीआर िविनयम के अंतगतयथापरभािषत "!तावद!तावेज" अभेत है; वतक" " " " से कंपनी अिधिनयम, 2013 क धारा 2(69) म,यथापरभािषतवतकअभेत है तथा इसम, आईआरडीए (भारतीय बीमा कपिनय का पंजीकरण) िविनयम, 2000 म,यथापरभािषत "भारतीय वतक" शािमल है;

बशत6क सेबी के पास !तावद!तावेज दािखल करने के योजन के िलए, सेबी (आईसीडीआर) िविनयम, 2009 के अंतगत "वतक" कपरभाषा लागू होगी;

सेबी" से भारतीय ितभूित और िविनमय बोड अिधिनयम, 1992 (1992 का 15) क धारा 3 के अधीन !थािपत भारतीय ितभूित और िविनमय बोडअभेत है।

(2)इन िविनयममम,यु और अपरभािषत, परंतु बीमा अिधिनयम, 1938 (1938 का 4) अथवा बीमा िविनयामक और िवकास ािधकरण अिधिनयम, 1999 (1999 का 41) अथवा भारतीय ितभूित और िविनमय बोड अिधिनयम, 1992 (1992 का 15) अथवा उनके अधीन बनाये गये क0ह@िनयम अथवा

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 3

िविनयमम,परभािषत सभी शAद और अभ(िय के अथ वही हगे जो उन अिधिनयम, िनयमअथवा िविनयमम,Bमशः उनके िलए िनधारतकये गये ह7।

िलिखत अनुमोदन

3. जीवन बीमा (वसाय करनेवाली कोई भी भारतीय बीमा कंपनी आईसीडीआर िविनयम के अधीन, शेयरके सावजिनकिनगम के िलए तथा कसी भी अनुवतEिनगम के िलए, चाहे वह कसी भी नाम से कहलाए, इन िविनयम के अधीन िलिखत म,ािधकरण के िविशFपूव अनुमोदन के िबना सेबी से संपकनह@ करेगी।

और $या

4. (1) ये िविनयम िन#िलिखतकसी भी िवकGप के माHयम से आईसीडीआर िविनयम के अधीन िनिधयाँ जुटाने के िलए आवेदक कंपनी पर लागू हगे:

i.िवBय के िलए सावजिनक!ताव के माHयम से एक अथवा उससे अिधक वतक अथवा िनवेशक ाराई=टी का िनJनिहतीकरण (डाइवे!टम,ट); अथवा

ii.पूँजी का िनगम; और/या

iii.दोन (i) और (ii)

बशत6कउपयु (i), (ii) और (iii) पर िविनLदF पूँजी िनगम को छोड़कर, अिधिनयम क धारा 6ए (4)(ख)(ii)/(iii) के अंतगतिनधारतMपम,िविनLदFसीमा से अिधक शेयर के कसी अंतरण सिहत, पूँजी के कसीअ0यिनगम के िलए ािधकरण का िविशFपूव अनुमोदन अपे2त होगा। शेयर के ऐसे अंतरण और अनुमोदन आईआरडीएआई (बीमा कंपिनय के ई=टीशेयर का अंतरण) िविनयम, 2015 से िनयंि+तहगे।

(2) इन िविनयम के अनुसार सावजिनकिनगम के ारा शेयर पूँजी जुटाने का !ताव करनेवाली आवेदक कंपनी पंजीकरण माणप+दान करने क तारीख से लेकर कसी भी समय ऐसा कर सकती है।

बशत6कवतक और/ या िनवेशक पंजीकरण माणप+दान करते समय ािधकरणाराििविनLदFअवNOता अविध (लॉक इन पीरयड), यद कोई हो, का पालन कर,गे।

(3)ािधकरण के अनुमोदन के िलए आवेदन इन िविनयम के फाम `ए' म, दािखल कया जाएगा।

(4)आवेदक कंपनी शेयर का िनगमपूणतःद अथवा अंशतः दMपम, कर सकती है। जहाँ अंशतः दशेयर जारी

कये गये ह, वहाँ आवेदक कंपनी शेयर के संबंध म, माँग (कॉGस) के भुगतान के िलए एक वषसे अिधक कसी भी अविध क अनुमित नह@ देगी।

आवेदन पर

5.(1)ािधकरण आवेदक कंपनी कसमQवीय ि!थित, उसके िविनयामक वृ, पूँजी के िनगम / िवBय हेतु !ताव के िलए आवेदन, पूँजी के िनगम / िवBय हेतु !ताव के बाद पूँजी िव0यास, तथा जुटाने हेतु !तािवत शेयर पूँजी िजन योजन के िलए योगम, लाई जाएगी, उनपर िवचार करेगा।

(2)उपयु (1) पर ितकूलभाव के िबना ािधकरण अनुमोदन दान करने के िलए िन#िलिखतपहलु पर िवचार करेगाः

i.वह अविध िजसके दौरान आवेदक कंपनी जीवन बीमा (वसायम, रही है;

ii.आवेदक कंपनी ारा िविनयामक अपे2ा के अनुपालन का इितहास;

iii.आवेदन दािखल करने क तारीख से तRकाल पहले क ितमाही से ारंभ करते एपूववतE छह ितमािहय के अंत म,िनधारत िविनयामक शोध2मतामाJजन का अनुर2ण;

iv.समय-समय पर यथासंशोिधत और आशोिधत आईआरडीएआई परप+ सं. आईआरडीए/एफएSडआई/ सीआईआर/एफएSडए/012/01/2010 दनांक 28 जनवरी 2010 के अंतगतअिधदेशाRमकक गई कटीकरणअपे2ा का अनुपालन;

v.कॉरपोरेट अिभशासन संबंधी दशािनद6श का अनुपालन;

vi.भारतीय बीमा कंपिनयाँ (िवदेशी िनवेश) िनयम, 2015 के साथ पठत अिधिनयम क धारा 2(7ए)(बी) तथा इस संबंध म,ािधकरणारा जारी कये गये क0ह@दशािनद6श के अंतगतयथापरभािषत "भारतीय !वािमRवा4 और िनयंि+त" संबंधी अपे2ा का अनुपालन;

vii.पॉिलसीधारक संर2ण का उसका रकॉड; और

viii. आवेदक कंपनी का अंतः!थािपत (एबेडेड) मूGय। ऐसे अंतः!थािपतमूGयकरपोट एक !वतं+बीमांकक िवशेषUारा भारतीय बीमांककसं!थानारा जारी कये गये बीमांककथा मानक से िनधारत तरीके से तैयार क जाएगी।

बशत6कािधकरण आवेदक कंपनी को िववरिणका (आरएचपी) जारी करने क तारीख से कम से कम 30 दन पहले !वतं+ बीमांकक करपोट दािखल करने के िलए अनुमित दे सकता है।

ािधकरण का

6. (1) अपना अनुमोदन दान करते समय ािधकरणिन#िलिखत को िनधारत कर सकता है

i. वह सीमा जहाँ तक वतक और िनवेशक अपनी संबंिधत शेयरधारता को कम (डाइGयूट) कर,गे;

ii.अिधकतम अिभदान जो िवदेशी िनवेशक के कसीवग को आबंटतकया जा सकता है;

iii.शेयर के आबंटन क तारीख से वतक और िनवेशक के िलए 0यूनतमअवNOता अविध (लॉक-इन-पीरयड)। यह अवNOता अविध आईसीडीआर िविनयम के अंतगतिवVमानअपे2ा पर ितकूलभाव डाले िबना होगी;

iv.सेबी ारािनधारत ऐसे कटीकरण के अितर, इन िविनयमक अनुसूची 1 म,िनLदFकये गये अनुसार ॉ!पेWटस/!तावद!तावेजम, कटीकरण।

v. आवेदक कंपनी के सं!था के अंतJनयमम, आशोधन िजससे !पFMप से यह (व!थाक जा सके कअिधिनयम क धारा 6ए म,िविनLदF सीमा से अिधक कसी अंतरण को ािधकरण के पूव अनुमोदन के िबना पंजीकृत नह@कया जाएगा; तथा

vi. ािधकरणाराउपयु समझी जानेवाली ऐसी अ0यशतX।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 5

(2) इन िविनयम के अंतगतािधकरणारादकसी अनुमोदन के संबंध म,कसी भी कार से ऐसा नह@समझा जाएगा क यह कसी!तावद!तावेजम, आवेदक कंपनी ाराकये गये िनMपण का वैधीकरण है अथवा वैधीकरण कआवYयकता को पूरा करता है।

7.ािधकरण अपना अनुमोदन दाननह@ करेगा, यदउसक राय म,

(क)आवेदक कंपनी िविनयामक Mपरेखा का अनुपालन नह@ करती; अथवा.

(ख)वतक (वतक) और/ या िनवेशक (िनवेशक) ाराशेयरधारता के 0यूनीकरण (डाइGयूशन) अथवा नई पूँजी िनगम के परणाम!वMप आवेदक कंपनी भारतीय !वािमRव और िनयं+ण वाली नह@रहेगी; अथवा

(ग)अनुमोदन दान करना पॉिलसीधारक के िहत के िलए हािनकर हो सकता है; अथवा

(घ)अनुमोदन दान करना देश म, बीमा (वसाय के िहत म,नह@ हो सकता।

अनुमोदन केकेकेके िलए

8. ािधकरण आवेदन का सं!करण कर उसपर अनुमोदन यथाशीZदान करेगा तथा आवेदक कंपनी आवेदन के सं!करण के िलए ािधकरणारा सूचना ा4 करने के िलए कये जानेवाले [और अनुरोध का तRपरतापूवकउरसुिनि\त करेगी।

क%िविधमा&यता

9. ािधकरणारादानकया गया अनुमोदन, अनुमोदन प+ के िनगमक तारीख से एक वषक अविध के िलए िविधमा0य होगा, िजसके अंदर आवेदक कंपनी इन िविनयम के अनुपालन के अधीन आईसीडीआर िविनयम के अंतगत सेबी के पास रेड हे]रग िववरिणका का ाMप (डीआरएचपी) दािखल करेगी।

बशत6कािधकरण आवेदक कंपनी से िलिखत म, अनुरोध ा4 होने पर उ िविधमा0यता को छह महीने कअितर अविध के िलए बढ़ा सकता है।

का अिधकार

10.ािधकरण जीवन बीमा (वसाय करनेवाली कसी भारतीय बीमा कंपनी को िनद6श दे सकता है क वह शेयर बाजार (बाजार) म,!वयं को सूचीबO करवा ले, यदपरि!थितय के कारण ऐसा करना आवYयक हो। ऐसी कंपनी अवNOता अविध (लॉक इन पीरयड) के होते ए भी, ऐसे िनद6शक तारीख से एक वषक अविध के अंदर ािधकरणारा जारी कये गये िनद6श का पालन करेगी।

प)ीकरण जारी

11. इन िविनयम के कसी भी उपबंध को लागू करने अथवा उसका अथिनणय करने म,उRप_ होनेवाली कसी भी शंका अथवा कठनाई को दूर करने के िलए ािधकरण का अHय2आवYयक समझे जानेवाले उपयु !पFीकरण अथवा दशािनद6श जारी कर सकता है।

टी. एस. िवजयन, अHय2

[िवUापन.III/4/असा./161/15]

फाम ए

आईआरडीएआई (जीवन िविनयम, 2015

अनुसार अनुमोदन

(िविनयम 4 देख)

अHय2

भारतीय बीमा िविनयामक और िवकास ािधकरण

पर`म भवन

तीसरी मंिजल, बशीर बाग

हैदराबाद – 500 004

महोदय,

आईआरडीएआई (जीवन बीमा (वसाय करनेवाली भारतीय बीमा कंपिनयारा पूँजी िनगम) िविनयम, 2015 के अनुसार,

मेसस…………………………………………………………………………………………

(पंजीकरण संaया………………….. दनांक……………………) िजसने परचालन के …………..वषपूरे कयेह7, इसके ारा सेबी (पूँजी िनगम और कटीकरणअपे2ाएँ) िविनयम, 2009 (आईसीडीआर िविनयम) के

अधीन एक सावजिनकिनगम के ारा िनिधयाँ जुटाने के िलए अनुमित कअपे2ा करते एािधकरण को आवेदन !तुत करता है।

2. इसके नीचे सूचीबOMपम,अपेि2त अनुलbक के साथ िविनयम 5 के अंतगतिउGलिखतिविभ_कायिनcपादनमानदंड का िववरण अनुबंध म,!तुतकया गया हैः

(i)

(ii)

(iii)

3.भारतीय बीमांकक सं!थानारा जारी कये गये बीमांककथा मानक ाराािनधारतशतd का अनुपालन करते ए एक !वतं+ बीमांकक िवशेषUारा तैयार क गई अंतः!थािपत (एबेडेड) मूGयकरपोटआवेदन के साथ संलb है। (यद यह रपोट आवेदन के साथ !तुतनह@क गई है, तो इसे शीZ और ॉ!पेWटस के िनगमक तारीख से कम से कम 30 दन पहले !तुतकया जाना चािहए।)

4.ािधकरण से अनुमोदन ा4 करने के बाद (बीमा कंपनी) …………………………………………… …………………………………………………………….. आईसीडीआर िविनयम के अधीन भारतीय ितभूित और िविनमय बोड (सेबी) के पास एक !तावद!तावेज एक वषक अविध के अंदर

¹Hkkx IIIμ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 7

दािखल करेगी तथा उपयुिविनयम के अधीन िवVमान अपे2ा एवं ऐसी अ0यशतd का अनुपालन सुिनि\त करेगी, जो ािधकरण अनुमोदन दान करते समय लागू कर सकता है।

भवदीय

!थानः

दनांकः

अिधकारी केकेकेके

हतार

पदनाम

बोड केकेकेके

अ3यअ3य केकेकेके हता

पदनाम

आवेदनप5 का

(िविनयम 4 के अंतग तफामए देख)

1.आवेदक कंपनी का नामः

2.पंजीकरण संaया और पंजीकरण का दनांकः

3.परचालन के ारंभक तारीख से वषdकसंaयाः

4.िपछली छह ितमािहय के िलए शोध2मता (सॉGवे0सी) कि!थितः

$म	नवीनतम ितमाही	शोधमताक%
1		
2		
3		
4		
5		
6		

5.िपछले पाँच वषd के िलए बEमा अिधनियम, 1938 और उसके अंतगत बनाये गये िविनयम के अधीन बंध(य संबंधी अपे2ा के अनुपालन कि!थितः

$म संसंसं	िव7ीयवष नवीनतम वष	अनुमितयो8ययकरोड़ 9पये	वातिवकयकरोड़ 9पये	अनुपालन क%
1.				
2.				
3.				
4.				

5.				

6.िपछले पाँच वषd के िलए बीमाकता के िनवल लाभ, द पूँजी और िनवल मािलयत (नेट वथ) का िववरण

$म संसंसं	िव7ीयवष पहले नवीनतम	िनवल लाभ करोड़	द7 पूँजी करोड़	िनवल मािलयतकरोड़
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

7.कटीकरणकअपे2ा के अनुपालन कपुिFः

मेसस ………………………………………………………………………….. इसके ारापुिF करता है क वह समय-समय पर यथासंशोिधत और आशोिधत आईआरडीएआई परप+ सं. आईआरडीए/ एफएSडआई/ सीआईआर/ एफएSडए/ 012/ 01/ 2010 दनांक 28 जनवरी 2010 म,अिधदेशाRमकक गई कटीकरणकअपे2ा का अनुपालनकता है।(यद कोई िवचलन हो तो उसका िववरण कटकया जाना चािहए)।

8.कॉरपोरेट अिभशासन संबंधी दशािनद6श के अनुपालन कपुिFः

मेसस …………………………………………………………………… इसके ारापुिF करता है क वह आईआरडीएआई ारा जारी कये गये कॉरपोरेट अिभशासन संबंधी दशािनद6श का अनुपालनकता है।

(यद कोई िवचलन हो तो उसका िववरण कटकया जाना चािहए)।

9.िपछले पाँच वषd के दौरान बीमाकता के िवNO आईआरडीएआई ारारंभक गई िविनयामक कारवाई का िववरण िन#ानुसार हैः (पहले नवीनतम वष):

10.िपछले पाँच वषd के िलए कंपनी के पॉिलसीधारक संर2ण और पॉिलसीधारककिशकायतक िवचाराधीनता (प,डे0सी) के रकॉड का िववरणः

िशकायत िनवारण							
Bम सं.	िववरण	ारंिभ कशेष*	परवधन	पूणतः !वीकृत	अंशतः !वीकृत	अ!वीकृत	लंिबत िशकाय
1	:ाहकारािशकायत;**						
क)	िवBय से संबंिधत						
ख)	नये (वसाय से संबंिधत						
ग)	पॉिलसी सJवeसग से संबंिधत						
घ)	दावा सJवeसग से संबंिधत						
ङ)	अ0य						
	कुल सं-या						

2	लंिबत िथित	:ाहकारा िशकायत·	म3यव<तयारािशकायत·	कुल
क)	15 दन से कम			
ख)	15 दन से अिधक			
	कुल सं-या			

* ारंिभक शेष को िपछले िवीयवष के अंितम शेष के साथ मेल खाना चािहए।

** मHयवJतयाराक गई िशकायत के िलए ऐसा ही अलग-अलग िववरण देना होगा।

11.!वतं+ बीमांककिवशेषU ारा परकिलत आवेदक कंपनी का अंतः!थािपत मूGय .... है।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 9

उअंतः!थािपतमूGयकरपोट .... ारा तैयार क गई है।

12.िनगम के पहले क और बाद कशेयरधारता के !वMप का िववरण िन#ानुसार हैः

Bम सं.	नाम	वतमानशेयरधारता का !वMप			िवBय/िनगम के िलए		!तािवतशेयरधारता का !वMप		
		ि!थित (भारतीय /िवदेशी)	धारतशेयर क	धारत ितशत	शेयर क संGया	ितशत	ि!थित (भारतीय /िवदेशी)	शेयर क संGया	ित-शत
1.									
2.									
3.									

13. भारतीय !वािमRवा4 और िनयंि+त होने के अनुपालन कपुिFः

मेसस .... इसके ारापुिF करता है क वह भारतीय बीमा कंपिनयाँ (िवदेशी िनवेश) िनयम, 2005 के साथ पठत अिधिनयम क धारा 2(7ए)(बी) तथा ािधकरणारा जारी कये गये क0ह@दशािनद6श के अंतगतपरभािषतMपम, भारतीय !वािमRवा4 और िनयंि+त होने कअपे2ा का अनुपालनकता है तथा इस आवेदन के अनुसार पूँजी िनगम के बाद िनरंतर इनका अनुपालन कता रहेगा।

14. आवेदक कंपनी ारा!तािवतMपम, पूँजी िनगम / िवBय के िलए !ताव का अनुमोदन करनेवाले कंपनी सिचव ारा िविधवत् मािणत .... को संप_बोडक बैठक के आवYयकउOरणसंलbह7।

इसके ारापुिFक जाती है क इसके साथ दये गये संलbक सिहत फाम ए और अनुबंध म,!तुत सूचना मेरी अिधकतम जानकारी और िवfास के अनुसार सही और पूण है तथा कुछ भी िछपाया नह@ गया है अथवा दबाया नह@ गया है।

अिधकारी केकेकेके हतार

पदनाम

बोड केकेकेके अ3यअ3य केकेकेके हतार

पदनाम

थानः

दनांकः

अनुसूची 1

[िविनयम 6 (1)(iv) देख,]

बीमा कंपिनयकंपिनय केकेकेके िलए

भारतीय ितभूित और िविनमय बोड (सेबी) ने सेबी (पूँजी िनगम और कटीकरणअपे2ाएँ) िविनयम, 2009 (आईसीडीआर) म, पूँजी िनगम और कटीकरणकअपे2ा के िलए ढाँचा िनधारतकया है। आईसीडीआर क अनुसूची VIII के भाग `ए' के अंतगत रेड हे]रग िववरिणका, शेGफ िववरिणका और िववरिणका (ॉ!पेWटस) म,कटीकरणअपे2ाएँिनधारतक गई ह7।

इन िविनयम के अधीन पूँजी िनगम / िवBय के िलए !ताव करने कअपे2ा करनेवाली आवेदक कंपनी !तावद!तावेजम,िन#िलिखतकटीकरण करेगी। ये कटीकरण आईसीडीआर िविनयमम, सेबी ारा िनधारतशतd के अितरहगे तथा इ0ह, सेबी ारािनधारतअपे2ा के अनादर के Mपम,नह@ देखा जाएगा।

(क)आवेदक कंपिनय के िलए िविशF जोिखम कारक;

(ख)बीमा उVोगकसमी2ा;

(ग)िवीयिववरण का कटीकरण;

(घ)बीमा 2े+म,युशAदावली;

(ङ)िनगम का Aयोरा;

(च)जारीकता के बारे म, िववरण;

(छ)कानूनी और अ0य जानकारी।

कटीकरण का िववरण नीचे िनLदFMपम, हैः

आवेदक कंपनी िविश जोिखम

!तावद!तावेजम, बीमा 2े+ के िलए िविशF जोिखम कारक को सूचीबOकया जाएगा िज0ह, मोटे तौर पर िन#िलखत`ेिणयम, िवयोिजत कया जाएगाः

जोिखमः(पगमदर, (य!तर, मृRयु / अ!व!थतादर के भाव सिहत, सवgमाhलन के गलत अनुमान के कारण अथवा दाव और अ0य नकदी वाहक बारंबारता और आकार म, याद्दिcछक घट-बढ़ के कारण उRप_ होनेवाला जोिखम।

जोिखमः िवदेशी बाजार और आJथक कारक के कारण परसंपिय, देयता और िवीय िलखतक बाजार क

मत के !तरम,परवतन अथवा उनकअि!थरता से उRप_ होनेवाला जोिखम।

जोिखमःपुनबEमा और िवीय(ुRपि_य (डेरवेटkस) जैसी जोिखम 0यूनीकरणसंिवदा के ित चूक के जोिखम सिहत, ितप2कार अथवा बाHयताधारीक चूक का जोिखम।

जोिखमः अपया4 अथवा असफल आंतरकBयाओँ, लोग और णािलय, अथवा बाm घटना के परणाम!वMप होनेवाली हािन का जोिखम।

चलिनिध जोिखमः

oक

मत-िनधारण तथा बीमा और वाJषकउRपाद के िलए आरि2त िनिधयाँ !थािपत करने म,

युपूवानुमान के परणाम!वMप भावी वा!तिवकदावम,िभ_ता के कारण आमदनी पर ितकूलभाव।

oसंकेि0oतअpयपण।

जोिखमः आपाती हािनय के कारण लाभदता अथवा नकदी वाह पर महRवपूण भाव।

पुनबAमा जोिख

oसामियक आधार पर पुनबEमा4 न करना।

oएक या उससे अिधक पुनबEमाकताारा चूक।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 11

अंतःथािपत मूCय जोिखमःअंतः!थािपत (एबेडेड) मूGय संबंधी सूचना अनेक पूवानुमान पर आधारत है तथा इसम, महRवपूण ढंग से परवतन हो सकता है Wयक अंतJनिहत धारणा म, परवतन होता है।

9.िविनयामक जोिखमः

oिविनयामक परवतन के कारण महRवपूण भाव

oिविनयामक जाँच-पड़ताल तथा परणामी ितबंध अथवा दंड बीमा कंपनी क ितwाI, (वसाय, परचालन के परणाम और िवीय ि!थितय को ितकूल Mप से भािवत कर सकते ह7।

जोिखमः भारतीय बीमा बाजार कवृिOकिन# दर।

िवतरण जोिखमः

oकुछ िवतरण माHयम पर अRयिधकिनभरता।

oिविभ_ िवतरण माHयम को िवकिसत न करना।

oएजे0सी बल िवकिसत करने म,कठनाई।

अ&य जोिखम

oचियनत बीमांकककाJमक पर अRयिधकिनभरता।

oिवीय िववरण को समझने म,कठनाई।

oअRयािशतदाव और बीमा-र2ा संबंधी मुz के भाव।

oबीमा कंपनी कपॉ िलिसय का 2 े+ / काराराsंके0oण।

oबीमा उVोग का चB

य!वMप।

oलाभ, दाव और अ0यलागत का पूवानुमान करने म, अथवा ऐसी लागत का बंध करने म, कठनाई।

कम से कम, उसंबO जोिखम समय-समय पर ाि धकरणारायथािनधारत िनदशE सूची को सिमिलतकर,गे।

बीमा उHोग

बीमा उVोगकसमी2ा के अंतगतिन#िलिखतपहलु पर िववरण !तुत करते एसं2ेपम, बीमा उVोगकपृwभूिम, वैिfक और देशी बीमा परवेश, उVोग का दृिFकोण, वृिय का िव{ेषण, 2े+ाराि निधय का िनवेश, बीमा 2े+म,Rय2 िवदेशी िनवेश (एफडीआई), मHयवतEसं!थाएँ, बीमा िवधान म,परवतन, तथा लागू कॉरपोरेट अिभशासन संबंधी दशािनद6श के अनुपालन कि!थित को समािवFकया जाएगाः

1.!तावना

2.बीमा उVोग के बारे म,पृwभूिम

2.1बीमा उVोग का िवहंगावलोकन

2.2भारतीय बीमा िविनयामक और िवकास ाि धकरण

3.वैिfक बीमा परवेश – बीमा (ापन, सघनता, उVोग का िवकास, आद को समािवF करते एवैिfक और घरेलू परदृYय के संबंध म,सं2ेप।

3.1वैिfक बीमा परवेश

3.2देशी बाजार समी2ा

4.उVोग का दृिFकोण – जीवन बीमा – जोिखम-अंकत कुल ीिमयम

4.1बाजार अंश (% शेयर)

4.2(वसाय का िवकास

5.वृिय का िव{ेषण – जीवन बीमा

5.1िव!तारत बीमा-र2ा

5.2नये उRपाद का ारंभ

5.3!वा!|य बीमा उRपाद

5.4पुनबEमासमJथतउRपाद

6.बीमा उVोगाराि निधय का िनवेश

6.1िनवेश का !वMप

7.बीमा 2े+म,Rय़2 िवदेशी िनवेश (एफडीआई)

8.मHयवतEसं!थाएँ

8.1कमीशन संरचना

8.2जीवन बीमा उVोग

9.बीमा िवधान म,परवतन

9.1बीमा िवधान म,परवतन

9.2िविनयामक िवषय और परवतन

9.3उपभोा संबंधी परवतन

9.4अितरखंड को हटाना

9.5आईआरडीएआई कवतनशियम,वृिO और दंड लागू करना

10.बीमा कंपिनय के िलए कॉरपोरेट अिभशासन संबंधी दशािनद6श

11.उपसंहार

िव7ीयिववरणका कटीकरण

बीमा उVोग के िलए िविशFकटीकरण के अंतगत मोटे तौर पर िन#िलिखत पहलू शािमल हगेः

िव7ीयिववरण तुतीकरणःिवीयिववरण का !तुतीकरण समय-समय पर ािधकरणारा िनधारतफाम6ट के अनुसार आईसीडीआर िविनयमम,यथािविनLदF अविध के िलए कया जाएगा।

नीितयाँ : : : : िवीय िववरण को पुन(वि!थत करते समय महRवपूण लेखांकन नीितय का भी कटीकरणकया जाएगा।

3.िवीयिववरण के िलए अितरJ

i.िपछले तीन वषd के दौरान कंपनी के िवNO बीमा लोकपाल ारादये गये अिधिनणय;

ii.सकल ीिमयम – भौगोिलक खंडीकरण के साथ

iii.ित-िवBय (Bॉस-सेeलग)

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 13

iv.िवतरण का नेटवक

v.िनरंतरता

vi.बंध(य (ईओएम) अनुपात

vii.िनवेश ितफल

viii.ई=टी और बांडम, िनवेश – ितफल, Rयेकउvोग को एWसपोज़र और कुल िनवेश तथा ई=टी और बांड के माHयम से Rयेक2े+म, कुल िनिधय के 5% से अिधक का िनवेश

ix.पुनबEमा और पुनबEमाकायनीित

x.Aयाज दर संवेदनशीलता

xi.भावी पॉिलसी लाभ के िलए देयता और पॉिलसीधारक खाता शेषरािशयाँ।

xii.अा4 अिभलाभ / हािनयक गणना करने क िविध

xiii.शोध2मता(ाि4 (कवरेज) अनुपात

xiv.बीमा कंपनी कसंिवदा के अंतगत भावी ितबOता तथा पॉिलसीधारकक उिचत Rयाशा को पूरा करने के िलए गिणतीय आरि2तिनिधयकपया4ताकपुिF करते ए िनयु बीमांकक ारामाणीकरण;

xv.िपछले तीन वषd के िलए पॉिलसिय का खंड-वार (पगमन एवं कंपनी कलाभदता के िलए ऐसी (पगतपॉिलसिय का अंशदान;

xvi.भारतीय बीमांकक सं!थानारा जारी कये गये बीमांककथा मानक के अनुसार अंतः!थािपत मूGय

xvii.लेखांकन और अ0य अनुपातः समय-समय पर ािधकरणाराािनधारतMपम, बीमा उvोग के िविशFसंदभम,उ अनुपात।

xviii.एज,टउRपादकता

xix.नये (वसाय का मूGय

4.कानूनी और अ0य सूचनाः बीमा अिधिनयम, 1938, आईआरडीए अिधिनयम, 1999 और उनके अंतगत बनाये गये िनयम और िविनयम के अधीन िविनयामक अपे2ा का अनुपालन।

5.िशकायत िनवारण और दाव के िनपटान क अविध सिहत परंतु इ0ह@ तक असीिमत, िपछले पाँच वषd के दौरान पॉिलसीधारक संर2ण और पॉिलसीधारककिशकायतक िवचाराधीनता (प,ड,सी) के संबंध म, कंपनी के रकॉड का िववरण।

युJशKदावली

कम से कम, जारीकता और उvोग से संबंिधत शAद का िववरण देते ए!तावद!तावेजम, समय-समय पर ािधकरणारायथािनधारतिनदशEशAदावली शािमल क जाएगी।

िववरणःिनगम के उzेYय के बारे म,िन#िलिखतकटीकरणकये जाएँगेः

क.शोध2मता (साGवे0सी) कअपे2ा को बढ़ाना;

ख.सामा0य कॉरपोरेट योजन; और/या

ग.कोई अ0ययोजन िजसके िलए ािधकरण का िविशF अनुमोदन ा4 हो।

िववरणः बीमा कंपनी के बारे म,िन#िलिखतअितरकटीकरणकये

जाएँगेःकॉरपोरेट अिभशासनः

•इस आशय का कटीकरणकबीमाकता ने सूचीबOता करार म, िनिहत अपे2ा के अितर ािधकरणारायथािनधारत कॉरपोरेट अिभशासन संबंधी अपे2ा का अनुपालन कया है।

•जारीकता के ारागठत सभी सिमितय का िववरण, Rयेक सिमित के सद!य के नाम तथा िवचाराथिवषय के सार-सं2ेप सिहत िजनके अधीन संबंिधत सिमित परचालन करती हो।

का<मकिJ

3.िनवेशक

4.वतक

अ&य सूचनाः

अवीकरण खंडः

यह िनद करते ए घोषणा क "भारतीय बीमा िविनयामक और िवकास ािधकरण ("आईआरडीएआई') बीमा कंपनी किवीय सुदृढ़ता के िलए अथवा कये गये कसी भी व के सहीपन के िलए अथवा इस संबंध मअिभ कसी भी अिभमत के िलए कोई उरदाि#व$वीकारनह& करता।"

टी. एस. िवजयन, अHय2

[िवUापन.III/4/असा./161/15(294)]

INSURANCE REGULATORY AND DEVELOPMENT AUTHORITY OF INDIA

NOTIFICATION

Hyderabad, the 17th December, 2015

Insurance Regulatory and Development Authority of India (Issuance of Capital by Indian Insurance Companies transacting Life Insurance Business) Regulations, 2015

F. No. IRDAI/Reg/22/112/2015 .— In exercise of the powers conferred by Section 114A read with Section 6A of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), sections 14 and 26 of the Insurance Regulatory and Development Authority Act, 1999 (41 of 1999), the Insurance Regulatory and Development Authority of India, in consultation with the Insurance Advisory Committee, hereby makes the following Regulations in supersession of the Insurance Regulatory and Development Authority (Issuance of Capital by Life Insurance Companies) Regulations, 2011, namely*:*

1.Short title and commencement

(1) These Regulations may be called the Insurance Regulatory and Development Authority of India (Issuance of Capital by Indian Insurance Companies transacting Life Insurance business) Regulations, 2015.

(2) These Regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) These Regulations shall be applicable to Indian insurance companies granted certificate of registration to transact the business of life insurance.

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 15

Definitions

2. (1) In these Regulations, unless the context otherwise requires;

i.**"Act"** means the Insurance Act, 1938 (4 of 1938);

ii.**"Applicant Company"** means an Indian Insurance Company which has been granted certificate of registration to transact the business of Life Insurance in terms of Section 3 of the Act;

iii.**"Application"** means the application in Form "A" of these Regulations filed by the applicant company for obtaining prior approval of the Authority for issuance of capital under these Regulations;

iv.**"Authority"** means Insurance Regulatory and Development Authority of India established under section 3 of Insurance Regulatory and Development Authority Act, 1999;

v.**"Corporate Governance Guidelines"** means the guidelines issued by the Authority in this regard;

vi.**"ICDR Regulations"** means the SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 as amended from time to time;

vii.**"Indian Insurance Company"** means an "Indian Insurance Company" as defined in section 2 (7A) of the Insurance Act, 1938;

viii.**"Investor"** means an "investor" as defined in regulation 2 (f) of the Insurance Regulatory and Development Authority of India (Transfer of Equity Shares of Insurance Companies) Regulations, 2015;

ix.**"Offer Document"** means an "offer document" as defined under the ICDR Regulations;

x.**"Promoter"** of an applicant company means a "promoter" as defined in Section 2 (69) of the Companies Act, 2013 and includes "Indian Promoter" as defined in IRDA (Registration of Indian Insurance Companies) Regulations, 2000.

Provided that for the purpose of filing of the offer document with SEBI, the definition of "promoter" under SEBI (ICDR) Regulations, 2009 shall apply;

xi.**"SEBI"** means the Securities and Exchange Board of Indiaestablished under section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992).

(2) All words and expressions used herein and not defined in these regulations but defined in the Insurance Act, 1938 (4 of 1938) or in the Insurance Regulatory and Development Authority Act, 1999 (41 of 1999) or in the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), or in any Rules or Regulations made thereunder, shall have the same meaning as respectively assigned to them in those Acts, Rules or Regulations.

Prior Written Approval by the Authority

3.No Indian insurance company transacting Life insurance business shall approach SEBI for public issue of shares and for any subsequent issue, by whatsoever name called, under the ICDR Regulations without the specific previous approval of the Authority in writing under these Regulations.

Manner and Procedure

4.(1) These Regulations shall be applicable to the Applicant Company to raise funds under the ICDR Regulations through any of the following options

i.Divestment of equity by one or more of the promoter or the investor through a public offer for sale; or

ii.Issue of Capital; or

iii.Both (i) and (ii)

Provided that any issue of capital other than as specified at (i), (ii) and (iii) above, including any transfer of shares beyond the specified limits as laid down under section 6A (4)(b)(ii) / (iii) of the Act, shall require the specific prior approval of the Authority. Such transfer of shares and approvals thereof shall be governed by the IRDAI (Transfer of Equity Shares of Insurance Companies) Regulations, 2015.

(2)An applicant company proposing to raise share capital through a public issue in terms of these Regulations may do so at any time from the date of grant of Certificate of Registration.

Provided that promoters and/or investors shall abide by the lock in period, if any, specified by the Authority at the time of grant of Certificate of Registration.

(3)The application for approval of the Authority shall be filed in Form 'A' of these Regulations.

(4)The Applicant Company may issue shares as fully paid up or partly paid up shares. Where partly paid up shares have been issued, the Applicant Company shall not allow any period exceeding one year for payment of calls on shares.

Consideration of application

5.(1)The Authority shall consider the applicant company's overall financial position, its regulatory record, the application for issue / offer for sale, the capital structure post issue / offer for sale, and the purposes for which the share capital proposed to be raised, will be applied.

(2)Without prejudice to the generality of (1) above, the Authority shall consider the following aspects for grant of approval:

i.The period for which the applicant company has been in life insurance business;

ii.The history of compliance with the regulatory requirements by the applicant company;

iii.The maintenance of the prescribed regulatory solvency margin as at the end of the preceding six quarters commencing from the quarter immediately prior to the date of filing the application;

iv.Compliance with the disclosure requirements mandated under IRDA Circular No.

IRDA/F&I/CIR/F&A/012/01/2010 dated 28th January, 2010 as amended and modified from time to time;

v. Compliance with the Corporate Governance Guidelines;

vi. Compliance with the requirements of "Indian owned and controlled" as defined under section 2(7A) (b) of the Act read with the Indian Insurance Companies (Foreign Investment) Rules, 2015 and any guidelines issued by the Authority in this regard;

vii. The record of policyholder protection; and

viii. The Embedded Value of the applicant company. The Embedded Value Report shall be prepared by an independent Actuary in the manner prescribed by the Actuarial Practice Standard issued by the Institute of Actuaries of India.

Provided that the Authority may allow the Applicant Company to file the report of the Independent Actuary at least 30 days before the date of issue of Prospectus/Drafted Red Herring Prospectus (DRHP).

Approval of the Authority

6.(1). While according its approval, the Authority may prescribe the following:

i. The extent to which the promoters and the investors shall dilute their respective shareholding;

ii. The maximum subscription which may be allotted to any class of foreign investors;

iii. Minimum lock-in period for the promoters and the investors from the date of allotment of shares. The lock in period shall be without prejudice to the requirements which may be in place under the ICDR Regulations;

iv. Disclosures in the Prospectus / Offer document as indicated at Schedule 1 of these Regulations, in addition to such disclosures as may be prescribed by SEBI.

v. Modification in the Articles of Association of the Applicant company so as to explicitly provide that no transfer beyond the limit specified in Section 6A of the Act shall be registered without the prior approval of the Authority; and

vi. such other conditions as may be deemed fit by the Authority.

(2) Any approval by the Authority under these Regulations shall not in any manner be deemed to be or serve as a validation of the representations by the applicant company in any offer document. This fact shall be disclosed in bold letters in the offer document.

7. The Authority shall not accord its approval if it is of the opinion that :

(a) The applicant company is not compliant with the regulatory framework; or

(b) Consequent upon the dilution of shareholding by the promoter(s) and/or Investor(s) or issue of fresh capital, the applicant company shall not be Indian owned and controlled; or

(c) The grant of approval may be detrimental to the interests of policyholders; or

(d) the grant of approval may not be in the interests of the insurance business in the country.

Timelines for approval of the Authority

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 17

8. The Authority shall process and grant approval on the application as expeditiously as possible, and the applicant company shall ensure prompt response to the queries and requests for information from the Authority for processing the application.

Validity of Approval

9. The approval granted by the Authority shall be valid for a period of one year from the date of issue of the approval letter, within which the applicant company shall file the Draft Red Herring Prospectus (DRHP) with SEBI under the ICDR Regulations subject to compliance of these Regulations.

Provided that the Authority may, on receipt of a written request from applicant company, extend the validity by a further period of six months.

Power to issue Direction

10. The Authority may direct an Indian Insurance Company transacting life insurance business to get listed on the stock exchange(s) if the circumstances so warrant. Such company shall, notwithstanding the lock-in period, within a period of one year from the date of such directions, comply with the directions issued by the Authority.

Power to remove difficulties and issue clarifications:

11. In order to remove any doubts or the difficulties that may arise in the application or interpretation of any of the provisions of these regulations, the Chairperson of the Authority may issue appropriate clarifications or guidelines as deemed necessary.

T. S. VIJAYAN, Chairman

[ADVT.III/4/Exty./161/15]

FORM A

Application for approval in terms of IRDAI (Issuance of Capital by Indian Insurance Companies transacting Life insurance business) Regulations, 2015

(Please refer Regulation 4)

The Chairman

Insurance Regulatory and Development Authority of India

Parishram Bhavan

3rd Floor, Basheer Bagh

Hyderabad – 500 004

Sir,

In terms of the IRDAI (Issuance of Capital by Indian Insurance Companies transacting life insurance business) Regulations, 2015, M/s …………………………………… (Registration No. ….. dated ………..) which has completed ……. years of operations, hereby applies to the Authority seeking permission to raise funds through a public issue under the SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 (ICDR Regulations).

2. The details of the various performance parameters referred to under regulation 5 are placed at Annexe along with the requisite enclosures as listed below:

(i)

(ii)

(iii)

3. The Embedded Value Report prepared by an Independent Actuary in compliance with the prescriptions laid down by the Actuarial Practice Standard issued by the Institute of Actuaries of India is annexed to the Application. (In case it is not submitted with the application, the Report has to be submitted at the earliest and at least 30 days before the date of issue of prospectus/ DRHP.)

4. On receipt of the approval from the Authority, the (insurance company) ……………shall file an offer document with the Securities and Exchange Board of India (SEBI) under the ICDR Regulations within a period of one year and shall ensure compliance with the requirements under the said Regulations and such other conditions as the Authority may impose while granting approval.

Place: Yours faithfully

Date: **(Signature of the Chief Executive Officer)**

Designation

(Signature of the Chairman of the Board)

Designation

Annexure to the Application

(Please refer Form A under Regulation 4)

1. Name of the applicant Company:
2. Registration No. and Date of Registration:
3. Number of years from the date of commencement of operations:
4. Solvency Position for the last six quarters:

Sl. No.	Quarter Ended (Latest quarter first)	Solvency Position
1		
2		

3		
4		
5		
6		

5. Status of Compliance with the Expenses of Management requirements under the Insurance Act, 1938 and the Regulations made thereunder for the last five years:

Sl. No.	**Financial Year (latest year first)**	**Allowable Expenditure (Rs. in Crore)**	**Actual Expenditure (Rs. in Crore)**	**Compliance Status**
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 19

6. Details of net profit, paid up capital and net-worth of the insurer for the last five years:

Sl. No.	**Financial Year (latest year first)**	**Net Profit/Loss (Rs. in Crore)**	**Paid-up Capital (Rs. in Crore)**	**Net-worth (Rs. In Crore)**
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

7. Confirmation of Compliance with the Disclosure Requirements:
M/s. …………………………. hereby confirms that it is compliant with the disclosure requirements as mandated in the IRDA Circular No. IRDA/ F&I/ CIR/ F&A/ 012 /01/ 2010 dated 28th January, 2010 as amended and modified from time to time.

(Details of deviations, if any should be brought out).

8. Confirmation of Compliance with the Corporate Governance Guidelines:
M/s …………………………. hereby confirms that it is compliant with the Corporate Governance Guidelines issued by IRDAI.

(Details of deviations, if any should be brought out).

9. Details of regulatory action initiated by IRDAI against the insurer during the last five years are as under: (Latest First):

10. Details of the company's record of Policyholder Protection and the pendency of the policyholder complaints for the last five years:

GRIEVANCE DISPOSAL							
Sl. No.	Particulars	Opening Balance*	Additions	Fully Accepted	Partial Accepted	Rejected	Complaints Pending

1	**Complaints made by customers****						
a)	Sales Related						
b)	New Business Related						
c)	Policy Servicing Related						
d)	Claims Servicing Related						
e)	Others						
	Total Number						
2	**Duration wise Pending Status**		**Complaints made by customers**		**Complaints made by Intermediaries**		**Total**
a)	Less than 15 days						
b)	Greater than 15 days						
	Total Number						

*Opening balance should tally with the closing balance of the previous financial year.

** Similar break-up to be given for the complaints made by intermediaries

11. The Embedded value of the company as arrived at by the independent Actuary is……………….

The embedded Value Report has been prepared by _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _

12. The details of the pre and post issue shareholding pattern are as under:

S. No.	Name	Existing Shareholding Pattern			Proposed Offer for Sale / issue		Proposed shareholding pattern		
		Status (Indian /foreign)	No. of shares held	Per cent held	No of shares	percent	Status (India/ foreign)	No. of shares	percent
1.									
2.									
3.									

13.Confirmation of compliance with Indian Owned and Controlled:

M/s. …………………………. hereby confirms that it is compliant with the requirements of Indian owned and controlled as defined under section 2(7A) (b) of the Act read with Indian Insurance Companies (Foreign Investment) Rules, 2015 and guidelines issued by the Authority and shall continue to be compliant after the issue of capital in accordance with this application.

14.The requisite extracts of the Board meeting held on ……………………….. duly certified by the Company Secretary approving the issuance of capital/offer for sale as proposed by the applicant company are enclosed.

It is hereby confirmed that the information furnished in Form A and Annexure along with the attachments therewith is correct and complete to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or suppressed.

Place **(Signature of the Chief Executive Officer)**

Designation

Date: **(Signature of the Chairman of the Board)**

Designation

Schedule 1

[Please refer regulation 6 (1) (iv)]

Disclosure Requirements for Insurance Companies:

The Securities and Exchange Board of India (SEBI) has laid down the framework for issue of capital and disclosure requirements in the SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 (ICDR). Part 'A' of Schedule VIII of the ICDR lays down the disclosure requirements in the Red Herring Prospectus, Shelf Prospectus and Prospectus.

[1]Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 21

An applicant company seeking to issue capital/make an Offer for Sale under these Regulations shall make the following disclosures in the offer document. These disclosures shall be in addition to the prescriptions laid down by SEBI in the ICDR Regulations and shall not be seen in derogation from the requirements prescribed by SEBI:

(a)Risk factors specific to the applicant company;
(b)Overview of the insurance industry;
(c)Disclosure of Financial Statements;
(d)Glossary of terms used in the insurance sector;
(e)Particulars of the Issue;
(f)Particulars about the Issuer;
(g)Legal and Other Information.

The details of disclosures are as indicated below:

(a)*Risk factors specific to the applicant company*

The Offer Document shall list out the risk factors specific to the insurance sector, to be broadly segregated into the following categories:

1. **Insurance Risk**: Risk arising because of inaccurate estimation of the best estimate or because of random fluctuations in the frequency and size of the claims and other cash flows including Impact of Lapse rates, Expenses Levels, Mortality / Morbidity Rates
2. **Market Risk**: Risk arising out of variations in the level or volatility of the market prices of assets, liabilities and financial instruments due to external market and economic factors.
3. **Credit Risk**: Risk of default of a counterparty or obligor, including the risk of default of risk mitigating contracts like reinsurance and financial derivatives.
4. **Operational Risk**: The risk of loss, resulting from inadequate or failed internal processes, people and systems, or from external events.
5. **Liquidity Risk :**
   - oAdverse impact on earnings due to differences in future actual claims resulting from the assumptions used in pricing and establishing reserves for insurance and annuity products
   - oConcentrated surrenders
6. **Catastrophic Losses Risk :** Material impact on profitability or cash flow due to catastrophic losses
7. **Reinsurance Risk**
   - o Failure to obtain reinsurance on timely basis.
   - o Default by one or more reinsurers
8. **Embedded Value Risk** : the embedded value information is based on several assumptions and may vary significantly as the underlying assumptions are changed.

9. Regulatory Risks :

- Material effects due to Regulatory changes
- Regulatory investigations and the resulting sanctions or penalties may adversely affect the reputation, business, result of operations and financial conditions of the insurance company.

10.Market Growth Risk : the low / high rate of growth of insurance market.

11.Distribution Risks :

- Over dependence on certain distribution channels.
- Failure to develop various distribution channels
- Difficulty in developing agency force

12.Other risks

- Excessive dependence on select actuarial personnel.
- Difficulty in understanding financial statements
- Effects of unexpected claims and coverage issues
- Concentration by region / type of policies of the insurance company
- Cyclical nature of insurance industry
- Difficulty in predicting benefits, claims and other costs or to manage such costs

At the minimum, the associated risks shall cover the illustrative list as prescribed by the Authority from time to time.

(b) Overview of the insurance industry

The overview of the insurance industry shall briefly cover the background of the insurance industry, the global and domestic insurance environment, industry outlook, analysis of trends, Investment of funds by the sector, FDI in Insurance Sector, Intermediaries, changes in Insurance Legislation, and compliance status with the applicable Corporate Governance Guidelines furnishing particulars on the following aspects:

1. **Introduction**
2. **Background about Insurance Industry**
   - 2.1. Overview of the Insurance Industry
   - 2.2. Insurance Regulatory and Development Authority of India
3. **Global Insurance Environment- A brief on global and domestic scenario covering Insurance penetration, density, growth of Industry, etc.**
   - 3.1. Global Insurance Environment
   - 3.2. Domestic Market Overview
4. **Industry Outlook - Life Insurance -Total premium underwritten**
   - 4.1. Market Share (% share)
   - 4.2. Growth of Business
5. **Analysis of Trends - Life Insurance**
   - 5.1. Enlarged Coverage
   - 5.2. Introduction of New Products
   - 5.3. Health Insurance Products
   - 5.4. Reinsurance supported Products
6. **Investment of Funds by the Insurance Industry**
   - 6.1. Investment Pattern
7. **FDI in Insurance Sector**
8. **Intermediaries**
   - 8.1. Commission Structure
   - 8.2. Life Insurance Industry

9. Changes in Insurance Legislation

9.1. Change in Insurance Legislation

9.2. Regulatory Issues and Changes

9.3. Consumer Related Changes

9.4. Removal of Redundant clauses

9.5. Enhancement of Enforcement Powers of the IRDAI and levy of Penalties

10.Corporate Governance Guidelines for Insurance Companies

11.Conclusion

(c) Disclosure of Financial Statements

Disclosures specific to the insurance industry would broadly cover the following aspects:

1. **Presentation of the financial statements**: The presentation of financial statements shall be made for the period as specified in the ICDR Regulations as per the formats prescribed by the Authority from time to time.

¹Hkkx IIIμ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 23

2. **Significant accounting policies:** Disclosure of the significant accounting policies while recasting the financial statement shall also be made.

3. **Additional disclosures** shall be made to the financial statements:

i.Awards given by Insurance Ombudsmen against the company during last three years;
ii.Gross premium- along with Geographic segmentation
iii.Cross selling
iv.Distribution network
v.Persistency
vi.Expenses of Management ratio
vii.Investment yield
viii.Investment in Equity and Bonds – yield, exposure to each industry and total investment and Investment of above 5% of total Funds in each sector through equity and bonds
ix.Reinsurance and Reinsurance Strategy
x.Interest rate sensitivity
xi.Liability for future policy benefits and policyholders account balances.
xii.Manner of arriving at unrealized gain/losses
xiii.Solvency ratio
xiv.Certification by the Appointed Actuary confirming the adequacy of Mathematical Reserves to meet the insurance company's future commitments under the contracts and the policyholders' reasonable expectations;
xv.Segment-wise lapsation of the policies for last three years and contribution of such lapses to the profitability of the company;
xvi.Embedded Value calculated by an Independent Actuary as per the Actuarial Practice Standard issued by the Institute of Actuaries of India.
xvii.Accounting and other ratios: The ratios with specific reference to the insurance industry as prescribed by the Authority from time to time
xviii.Agent Productivity
xix.Value of New Business

4. Legal and Other Information: Compliance with the regulatory requirements under the Insurance Act, 1938, IRDA Act, 1999 and the rules and regulations framed thereunder.

5. Details of the company's record of Policyholder Protection and the pendency of the policyholder complaints during the last five years, including but not limited to grievance redressal and ageing of claims.

(d) Glossary of terms used in the insurance sector:

At the minimum, the illustrative glossary of terms as prescribed by the Authority from time to time shall be included in the Offer Document giving details of the Issuer and industry related terms.

(e) Particulars of the Issue: The following disclosures shall be made about the objects of the Issue: **a.**to augment the solvency requirement;

b.general corporate purposes; and/or

c.any other purpose which has the specific approval of the Authority.

(f) Particulars about the Issuer: The following additional disclosures shall be made about the insurance company:

1. **Corporate Governance:**

   •Disclosure to the effect that the insurer has complied with the requirements of Corporate Governance as laid down by the Authority in addition to those contained in the Listing Agreement.

   •Details of all Committees set up by the issuer, including the names of committee members and a summary of the terms of reference under which the respective committee operates.

2. **Key Management Persons**
3. **Investors**
4. **Promoters**

(g) Legal and Other Information:

Disclaimer clause:

The declaration indicating that "Insurance Regulatory and Development Authority of India ("IRDAI") does not undertake any responsibility for the financial soundness of the insurance company or for the correctness of any of the statements made or opinions expressed in this connection."

T.S. VIJAYAN, Chairman

[ADVT.III/4/Exty./161/15(294)]

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064 and
Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.